



मेरी स्टूडेंट ने मुझे दुनिया दिखाई-1

“मैं एकदम सीधा सादा लड़का था जिसका मानना था कि सेक्स शादी के बाद का टॉपिक होता है। मैंने अपना कोचिंग सेंटर खोला तो काफी लड़कियां आने लगी, उनमें से एक बहुत खूबसूरत और सेक्सी लड़की थी और बहुत बातूनी भी। ...”

Story By: (hisarboy)

Posted: Sunday, July 1st, 2018

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [मेरी स्टूडेंट ने मुझे दुनिया दिखाई-1](#)

मेरी स्टूडेंट ने मुझे दुनिया दिखाई-1

दोस्तो, मेरा नाम आशु है और मैं हिसार, हरियाणा का रहने वाला हूँ। अभी पिछले कुछ महीने से ही मैं पंजाब से शिफ्ट हुआ हूँ। मैंने अन्तर्वासना पर लगभग सारी कहानियाँ पढ़ी हैं। आज मैं आप सब को मेरी आप बीती बताना चाहता हूँ, उम्मीद है कि आपको पसंद आएगी। गोपनीयता के लिए पात्रों और जगह के नाम बदल कर लिख रहा हूँ।

मैं 27 साल का हूँ। मेरी कहानी आज से 4 साल स पहले की है। मैं पढ़ाई में अच्छा हुआ करता था। पहले मैं अपने घर पर ही कुछ बच्चों को पढ़ाया करता था, सबको मेरा पढ़ाया पसंद आता था तो वो मुझे प्रोफेशनली पढ़ाने के लिए बोलते।

तो मैंने अपना कोचिंग सेंटर खोल लिया और अपनी पढ़ाई करते हुए पढ़ाने लगा। अब मेरे पास कॉलेज के स्टूडेंट्स भी आते थे।

मैं एकदम सीधा सादा लड़का हुआ करता था जिसका मानना था कि सेक्स शादी के बाद का टॉपिक होता है। शादी से पहले इस पर बात भी करना टाइम और दिमाग़ खराब करना होता है।

अपनी इसी सोच के साथ मैं पढ़ाने लगा।

मेरी क्लास में करीब 30 स्टूडेंट्स हुआ करते थे, जिनमें सिर्फ़ 8-9 लड़के थे, बाकी सारी लड़कियाँ।

उन में से एक थी सोनू, बहुत खूबसूरत और सेक्सी लड़की थी और बहुत बातूनी भी। उस के पास हर फालतू सवाल का जवाब हुआ करता जैसे कि मेरे पास पढ़ाई के सवालों के जवाब हुआ करते थे। सारा दिन हँसना और मस्तियाँ। उसके होने से क्लास में रौनक हुआ करती थी। मैंने कभी उस के बारे में ग़लत नहीं सोचा।

एक दिन मेरा एक दोस्त क्लास टाइम में मुझ से मिलने आया। मैंने स्टूडेंट्स को बोला तुम 10 मिनट के लिए थ्योरी पढ़ो, मैं आता हूँ।

मैं ऑफिस में आ गया। मुझे ऑफिस में थोड़ा ज्यादा टाइम लग गया तो सोनू मुझ से पूछने के लिए आई कि कितना टाइम लगेगा।

मैंने कहा- बस 5 मिनट और!

तो वो बोली- देख लेना सर, अगर ज्यादा टाइम लगता हो तो मैं सब को भेज देती हूँ.

अरे भई... वो सब की लीडर थी।

लेकिन मैंने कहा- नहीं, जाना नहीं... मैं आता हूँ.

और वो एक शरारती सी स्माइल दे कर चली गई.

मैंने ध्यान नहीं दिया लेकिन मेरे दोस्त ने उसकी स्माइल नोट कर ली। उसके चले जाने के

बाद वो मुझे बोला- यार क्या पटाखा है ये लड़की। कुछ भी हो ये लड़की मुझे पटवा दे।

मैंने कहा- साले स्टूडेंट हैं मेरी। ऐसे लड़की चाहिए तो ओवरब्रिज के निचे से ले आ।

हम दोनों हंसने लगे।

फिर वो दोस्त चला गया और मैं अपनी क्लास में आ गया.

टाइम अपनी स्पीड से चलता रहा। उसका एक साल पूरा हुआ और सारे स्टूडेंट्स अगली क्लास में आ गये। गर्मी का महीना था और उस टाइम लाइट गई हुई थी जिस वजह से एसी बंद था। सारे स्टूडेंट्स गर्मी से परेशान थे लेकिन सोनू के चेहरे पर वही स्माइल हमेशा की तरह। आज फ़र्क इतना था के वो वेस्टर्न ड्रेस की बजाए सलवार सूट में आई थी जिसका दुपट्टा संभालने में उसे परेशानी हो रही थी।

गर्मी की वजह से उसने अपने दुपट्टा उतार कर सामने रख दिया। मैंने पढ़ाते हुए मुड़ कर देखा तो एक बार तो मुझे झटका सा लगा। उस के गोरे गोरे स्तन उसके शर्ट में से झाँक रहे

थे। गहरे गले के कमीज में जब वो साँस ले रही थी तो ऐसा लग रहा था कि उसके स्तन भी साथ में साँस ले रहे हों।

एक पल के लिए हम दोनों की आँखें मिली और उसके चेहरे पर शरारत भरी स्माइल आ गई। खैर मैंने अपनी आँखों पर काबू किया और पढ़ाने लगा।

गर्मी मुझे भी परेशान कर रही थी पर वो नज़ारा देख कर और गर्मी लगने लगी। नुन्नु महाराज अपनी जगह से हिलने डुलने लगे। परेशानी ज्यादा होने लगी तो मैंने स्टूडेंट्स को फ्री कर दिया और बोला- आज हम आगे काम नहीं करते, जिसे कल की प्रॉब्लम्स लेनी हो, वो रुक जाए और बाकी जा सकते हैं।

3-4 स्टूडेंट्स रुक गये और सोनू भी ; वो सब मेरी टेबल के पास आ कर बैठ गये।

मैंने एक एक कर के सबकी प्रॉब्लम्स को सॉल्व कर के भेज दिया। सब से आखिर में सोनू की बारी आई, वो जान बूझ कर मेरी कुर्सी के बिल्कुल सट कर बैठी थी।

सबके जाते ही वो टेबल पर पसर गई और बोली- सर अब मेरी प्रॉब्लम भी सुलझा दो !
उसने बात एक दम सेक्सी तरीके से कही।

मैंने उसकी तरफ मुड़ कर देखा तो एक झटका लगा। उस के पसरने के कारण उस के स्तन उस के सूट में से बाहर आए हुए थे।

मेरी आँखें फटी रह गई।

कुछ सेकेंड्स बाद मुझे होश आया तो मैंने कहा- ठीक से बैठो।

वो बोली- क्या हुआ ?

मैंने भी मज़ाक के मूड में कह दिया- हुआ तो कुछ नहीं... पर हो सकता है।

वो मेरी बात का मतलब समझ गई और बोली- रहने दो सर, इतनी गर्मी में कुछ नहीं हो सकता।

फिर इसी तरह की कुछ और डबल मीनिंग बातें हुई ; मैंने उस की प्रोबलम सॉल्व की और वो चली गई.

बात आई गई हो गई.

लेकिन अब चेंज आया कि क्लास में उसका ध्यान मुझ पर और मेरा ध्यान उस पर रहने लगा । मैंने नोट किया अब वो पहले से ज्यादा शरारतें करने लगी थी ; या यूँ कह लो कि मेरा ध्यान ज्यादा बढ़ गया था उस पे ।

उस टाइम फ़ेसबुक कुछ ज्यादा ही फेमस हुआ था । एक दिन किसी वजह से मैंने सारे स्टूडेंट्स के फोन नंबरर्स लिए थे मुझे याद नहीं किस वजह से और मैंने अपने पर्सनल नंबर से सबको कोई मेसेज सेंड किया जिस से फ़ेसबुक फ्री में चलता था.

उसी दिन रात को एक अंजान नंबर से मेरे पर्सनल नंबर पर मेसेज आया.

मैंने पूछा- कौन ?

तो सामने से मेसेज आया- पहचान लो..

मैंने कहा- अगर अपना नाम बताना है तो बताओ नहीं तो मेसेज मत करना..

उस का रिप्लाई आया- मैं तो करूँगी..

मैं समझ गया कि मेरा ही कोई दोस्त लड़की बन के मज़े ले रहा है, क्योंकि ऐसा मज़ाक कुछ दिन पहले मेरे एक बचपन के दोस्त ने किया था ; उसने करीब 15 दिन तक मेरे मज़े लिए थे ।

तो अबकी बार मैंने सोचा था कि मज़े देने नहीं बल्कि लेने हैं ।

कई दिन चैटिंग करते करते हम धीरे धीरे डबल मीनिंग बातों और नॉन वेज जोक्स पर आ गये । मैंने भी उससे दोबारा पहचान नहीं पूछी.

एक दिन मैं अपने ऑफिस में बैठा स्टूडेंट्स को फीस डीपॉज़िट करवाने के लिए मेसेज कर

रहा था। एक नंबर आया तो मुझे जाना पहचाना सा लगा। एक बार तो मैंने इग्नोर कर दिया लेकिन वो मेरे दिमाग से नहीं निकला। मैंने कॉल की तो किसी ने उठाया नहीं।

दरअसल मैं दो फोन रखता था एक अकैडमी के काम के लिए और दूसरा पर्सनल और जब मैंने बच्चों के नंबर लिखवाए थे तब उनका नाम नहीं लिखवाया था। फिर मैंने अपने पर्सनल फोन से कॉल की।

जैसे ही कॉल डायल हुई वैसे ही उसमें सेव किया हुआ नाम आ गया।

मैं परेशान हो गया जिस अननोन नंबर से चाटिंग कर रहा था वो मेरे किसी स्टूडेंट का था और मैं सोच रहा कि मेरा कोई दोस्त है।

मैंने कॉल कट कर दी लेकिन तब तक रिग जा चुकी थी।

कुछ देर बाद उस का मेसेज आया कि मैंने कॉल क्यों की थी ?

तब तक मेरे मन में खुराफात आ गई थी। मैंने सोचा कि अब तो पता लगा कर ही रहना है। क्योंकि जो होना था वो हो चुका।

उधर क्लास में सोनू का बिहेव भी बहुत बदल गया था, वो चुप रहने लगी थी, मैंने पूछने की कोशिश की तो उसने बताया नहीं कुछ।

एक दिन रात को मैंने उस अननोन नंबर पर पूरी रात चैटिंग की, हमने काफी गरमागरम बातें की। अब तक मुझे पता नहीं था कि मैं किस से बात कर रहा था। बातों बातों में मैंने उससे रविवार को मिलने का प्रॉमिस ले लिया और हम सुबह 4 बजे गुड नाइट बोल कर सो गये।

रविवार दो दिन बाद ही था ; इस बीच कोई खास बात नहीं हुई.

आखिर रविवार भी आ गया। रविवार को दोपहर ग्यारह बजे मिलने का प्लान बना था

हमारा। सुबह दस बजे के करीब सोनू का कॉल आया कि उसे कुछ प्रॉब्लम्स लेनी हैं क्या वो आ सकती है ?

दोस्तो, जैसे की आप सब समझ पा रहे होंगे कि वो लड़की सोनू ही थी जो मेरे साथ अनजान बन के चैटिंग कर रही थी। उस टाइम कुछ कुछ मुझे भी समझ आ रहा था। खैर मैं कोई रिस्क नहीं ले सकता था पहले बोलने का।

मैंने सोनू से कहा- मैं ग्यारह बजे तक फ्री हूँ।

वो बोली- ओके, आती हूँ.

मेरे मन में दो बातें थी, या तो सोनू का आना सिर्फ़ एक इत्तेफ़ाक हैं या सोनू ही हो सकता है कि मेरे मज़े ले रही हो.

मैंने सोचा कि जो होगा देखा जाएगा। आज या तो मेरी सील टूटेगी या फिर सपना..

हाँ जी तब तक मैं वर्जिन ही था..

सवा दस बजे सोनू आई, वो बला की खूबसूरत लग रही थी, उस रेड टॉप और ब्लू जीन पहनी हुई थी ; उसका टॉप एकदम टाइट और गहरे गले का था जिसमें से उसके स्तन बाहर की हवा खा रहे थे। उसके बाल खुले थे और एक बात... उसकी चाल बड़ी ही मस्त थी। जब वो अंदर आ रही थी तो मैं उसे शीशे में से देख रहा था और नून्नु महाराज अंगड़ाई ले रहे थे.

मन ही मन मैं सोच रहा था कि काश वो सोनू ही हो जो मज़े ले रही है मेरे... और किसी हद तक मुझे विश्वास भी था लेकिन मैं शुरुआत करने का खतरा नहीं उठा सकता था.

और एक बात मैंने पिछली रात को उस अनजान नंबर को बताया था कि मुझे रेड टॉप में गर्ल्स बहुत अच्छी लगती हैं। सोनू का रेड टॉप में आना मेरे शक्र को और मजबूत कर रहा था। वैसे मेरे दिमाग में एक लड़की और घूम रही थी जिस पर मुझे शक्र था.

सोनू आई और अपनी प्रॉब्लम्स लेने लगी। उसने रोज की तरह कोई शरारत या कोई ऐसी

बात नहीं की जिससे मुझे उस पर शक होता। चेहरे से वो उदास लग रही थी।
बस बीस मिनट में उसकी प्रॉब्लम्स खत्म हो गई। प्रॉब्लम्स तो क्या थी बस ना के बराबर।
उसकी बातों से ऐसा लग रहा था जैसे बस वो कुछ कहना चाहती थी और मुझे पक्का
यकीन हो गया कि वो सोनू ही थी। अब बस कन्फर्म करना बाकी था।

मैंने उससे पूछा- तुम आजकल उदास क्यों रहती हो क्लास में ?

वो बोली- नहीं तो..

मैंने कहा- इट्स ओके, अगर तुम नहीं बताना चाहती तो मैं फोर्स नहीं करता लेकिन अगर
बताओगी तो मुझे अच्छा लगेगा और मैं समझूंगा कि हम अच्छे दोस्त बन सकते हैं.

और ना जाने कब मैंने अपना हाथ उस की तरफ बढ़ा दिया। वो मेरे सामने बैठी थी, हमारे
बीच में टेबल थी, वो मेरे हाथ की तरफ देख रही थी।

मैंने नीचे से उस का पैर अपने पैर से सहला दिया।

उसने मेरा हाथ पकड़ लिया.

मैंने देखा कि उसकी आँखों में आँसू थे, मैंने उसका हाथ कस के पकड़ लिया और कहा- मुझे
बता... क्या हुआ ? फिर दोनों साथ में रोएंगे।

वो थोड़ा सा मुस्काई।

उसने बताया कि उसके बॉयफ्रेंड ने उसे चीट किया और वो अब उस से मिलना भी नहीं
चाहता।

वो पहले से ज्यादा ज़ोर से रोने लगी। मैं खड़ा होकर उस के पास गया और उसे ज़ोर से हग
कर लिया जवाब में उस ने मुझे ज़ोर से हग किया.

क्या बताऊँ यारो... जिन्दगी में पहली बार मैंने किसी लड़की को हग किया था। उस
फीलिंग को बयान नहीं कर सकता।

मैं उसे चुप कराते हुए बोला- जिसे जाना था, वो गया !उसके लिए हम अपनी लाइफ क्यों खराब करें। यह जिन्दगी बार बार नहीं मिलती। इसमें अपनी मर्जी से मजा करो किसी दूसरे की मजबूरी से नहीं.

मैंने उसे कहा- मुझे अच्छा लग रहा है कि तुमने मुझे बताया। आज से तुम मुझे अपना बेस्ट फ्रेंड मान सकती हो !

रोमांस से भरी यह सेक्स कहानी जारी रहेगी.

कहानी का अगला भाग : मेरी स्टूडेंट ने मुझे दुनिया दिखाई-2

Other stories you may be interested in

बस स्टॉप पर एक भाभी से दोस्ती और प्यार- 4

क्यूट भाभी सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि बस स्टॉप पर मिली भाभी से दोस्ती के बाद उसे मैंने पहली बार अपने ही घर में कैसे चोदा. वो खुद मेरे घर आई थी. मित्रो, आप इस मेरी सेक्स कहानी में बस [...]

[Full Story >>>](#)

गांड मारने का शौकीन कर्मचारी- 1

मेरे अंडर नए आये कर्मचारी को, जब तक कोई इंतजाम ना हो, मैंने अपने घर में ठहरा लिया. एक दिन मैं घर आया तो वो घेलू नौकर को नंगा करके उसके ऊपर चढ़ा हुआ था. दोस्तो, मैं आपका साथी आजाद [...]

[Full Story >>>](#)

कॉलेज में पहला पहला प्यार- 3

फर्स्ट सेक्स इरोटिक स्टोरी मेरी क्लासमेट मेरी गर्लफ्रेंड के साथ पहली बार चुदाई की है. हम दोनों एक दूसरे को बहुत प्यार करते थे. जब हमें दो जिस्म एक जान होने का मौका मिला तो ... कहानी के पिछले भाग [...]

[Full Story >>>](#)

बस स्टॉप पर एक भाभी से दोस्ती और प्यार- 2

हैलो फ्रेंड्स, नमस्कार. मैं आपको अपनी सेक्स कहानी में स्वीटी नाम की एक मादक माल को सैट करने की बात सुना रहा था. पहले भाग बस स्टॉप पर एक भाभी से दोस्ती में अब तक आपने पढ़ा था कि उस [...]

[Full Story >>>](#)

कॉलेज में पहला पहला प्यार- 2

ए रियल लव स्टोरी कॉलेज में पहले साल की पढ़ाई के लिए आये एक लड़के और लड़की की है. दोनों एक दूसरे को पसंद करते थे पर अपनी चाहत कह नहीं पा रहे थे. कहानी के पहले भाग कॉलेज में [...]

[Full Story >>>](#)

